Roll No. ..... Total Pages : 3

LMDE/D-23 **9697**

MODERN INDIAN THOUGHT-I

Paper–PHI-HC-105

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note : Attempt *five* questions in all, selecting atleast *one* question from each Unit. Objective type questions is compulsory. All questions carry equal marks.

नोट : प्रत्येक इकाई में से कम से कम **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

UNIT–I (इकाई–I)

1. Discuss Traitvada with reference to Swami Dayananda. 16

स्वामी दयानंद के सन्दर्भ में त्रैतवाद का विवेचन कीजिए।

2. In what sense Advaitvada of Shankracharya has been criticised by Dayanand? Explain. 16

दयानंद के द्वारा किस संदर्भ में शंकराचार्य के अद्वैतवाद की आलोचना की गई? व्याख्या करें।

UNIT–II (इकाई–II)

3. Discuss the physical nature of man according to Vivekananda. 16

विवेकानंद के अनुसार मानव के भौतिक स्वरूप की व्याख्या करें।

4. Explain universal religion according to Vivekananda. 16

विवेकानंद के अनुसार सार्वभौम धर्म की व्याख्या कीजिए।

UNIT–III (इकाई–III)

5. Give a brief outline of "Sacchidananda" by Aurobindo. 16

'सच्चिदानंद' की अरबिन्दो द्वारा संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

6. Discuss 'Divine Life' of Aurobindo. 16

अरबिन्दो के 'दिव्य जीवन' की व्याख्या करें।

UNIT–IV (इकाई–IV)

7. Explain Jnāna Yoga with reference to B.G. Tilak. 16

बी.जी. तिलक के सन्दर्भ में ज्ञानयोग की व्याख्या कीजिए।

8. Elaborate Svadharma of Tilak. 16

तिलक के स्वधर्म का विवेचन कीजिए।

Compulsory Objective Type Question
(अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

9. State whether the following statements are True or False :

(a) Dayanand believed in Swadeshi.

(b) 'Satyarth Prakash' written by Dayananda.

(c) Vivekanand believed in spiritual nature of man.

(d) Vivekanand believed in liberated soul.

(e) 'Life Divine' is a book of Aurobindo.

(f) Aurobindo believed in evolution.

(g) The book 'Karmayoga' written by Tilak.

(h) Tilak give views on Gita. (8×2=16)

बताइए कि निम्न कथन सत्य हैं या असत्य :

(क) दयानंद स्वदेशी में विश्वास करते थे।

(ख) 'सत्यार्थ प्रकाश' दयानंद द्वारा लिखी गई।

(ग) विवेकानंद मानव की आध्यात्मिक प्रकृति को मानते थे।

(घ) विवेकानंद मुक्त आत्मा में विश्वास करते थे।

(ङ) 'दिव्य जीवन' अरबिन्दो की एक पुस्तक है।

(च) अरबिन्दो विकास में विश्वास करते थे।

(छ) कर्मयोग पुस्तक तिलक द्वारा लिखी गई।

(ज) तिलक ने गीता पर विचार दिए।